

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग H—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)
PART H—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 12]

नई दिल्ली, बनवार, जनवरी 12, 1977/पौष 22, 1898

No. 121

NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 12, 1977/PAUSA 22, 1898

इस आरग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा आ सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

INCOME-TAX

New Delhi, the 12th January 1977

- 5.0. 18(E).—The following draft of certain rules further to amend the Incometax Rules, 1962, which the Central Board of Direct Taxes proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 44AA, read with section 295, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), is hereby published for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 1st day of March, 1977.
- 2. Any objection or suggestion which may be received from any person with reference to the said draft before the said date will be considered by the Central Board of Direct Taxes.

DRAFT RULES

- 1. These rules may be called the Income-tax (Amendment) Rule, 1977.
- 2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, after dule 6E and before Sub-Part D, the following Sub-Part shall be inserted, namely:—

 **CC. Books of account*

- 6F. Books of account and other documents to be kept and maintained under section 44AA(3) by persons carrying on certain professions...(1) Every person carrying on legal, medical, engineering or architectural profession or the profession of accountancy or technical consultancy or interior decoration or authorised representative or film artist shall keep and maintain the books of account and other documents specified in sub-rule (2).
- (2) The books of account and other documents referred to in sub-rule (1,5) shall be the following, namely:--
 - (i) a daily eash book;
 - (ii) a journal, if the accounts are maintained according to the mercan-tile system of accounting;
 - (iii) a ledger;
 - (iv) duplicate copies of machine-numbered bills and receipts issued by the person;
 - (v) original bills and receipts in respect of expenditure incurred by the person or, where such bills and receipts are not issued and the expenditure incurred does not exceed twenty-five rupees, payment vouchers prepared and signed by the person.

Explanation.—In this rule,—

- (a) "authorised representative" means a person who represents any other person, on payment of any fee or remuneration, before any tribunal or authority constituted or appointed by or under any law for the time being in force, but does not include an employee of the person so represented or a person carrying on legal profession or a person carrying on the profession of accountancy;
- (b) "daily cash book" means a record of all cash receipts and payments, kept and maintained from day to day, and giving the cash balance in hand at the end of each day;
- (c) "film artist" means any person engaged in his professional capacity in the production of a cinematograph film, whether produced by him or by any other person, as—
- (i) an actor;
 - (ii) a cameraman;
 - (iii) ja director, including an assistant director;
 - (iv) a music director, including an assistant music director;
 - (v) an art director, including an assistant art director;
 - (vi) a dance director, including an assistant dance director;
 - (vii) an editor;
- (viii) a singer; /
 - (ix) a lyricist;
 - (x) a story writer;
 - (xi) a screen-play writer;
- (xii) a dialogue writer; and
- (xíii) a dress designer.
- (3) A person carrying on medical profession shall, in addition to the books of account and other documents specified in sub-rule (2), keep and maintain the following, namely:-
 - (i) a daily case register in Form No. 3C;
 - (ii) an inventory, as on the first and the last day of the previous year, of the stock of drugs, medicines and other consumable accessories used for the purpose of his profession.
- (4) The books of account and other documents specified in sub-rule (2) and sub-rule (3) shall be kept and maintained by the person at the place where he is carrying on the profession or, where the profession is carried on in more places than one, at the principal place of his profession. his profession:

Provided that where the person keeps and maintains separate books of account in respect of each place where the profession is carried on, such books of account and other documents may be kept and maintained at the respective places at which the profession is carried on.".

3. In Appendix II to the Income-tax Rules, 1962, after Form No. 3B, the following Form shall be inserted, namely:—

"FORM NO. 3C

[See rule 6F(3)]

Form of Daily Case Register

(To be m i trained by practitioners of any system of medicine, i.e., pl ysicians, surgeers, dentists, pathologists, radiologists, vaids, hakims, etc.)

Date	S. No:	Patient's name	Nature of professional services rendered, i.e., general consultation, surgery, injection, visit, etc.	Fees or charges for services rendered	
				By cash Rs.	By cheque Rs.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

[No. 1620/F. No. 133(102)/76-TPL] S. N. SHENDE,

Central Board of Direct Taxes.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

श्र**धि**मूच ₁।

श्चाय-कर

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1977

का० था० 18 (अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ पिठत धारा 44 कि की उत्तरारा (3) द्वारा प्रवत्त क्षिक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 में कित्राय और संशोधन करता चाहता है। संशोधनों का िक्निलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए जिनके उनसे प्रभावित होने की सम्भावना है, प्रकाधित किया जा रहा है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 1 मार्च, 1977 को या उसके प्रभाव्त विवार किया जाएगा।

2. उक्त प्रारूप के तंदर्भ में किसी भी व्यक्ति से उक्त तारीख के पूर्व जो ब्रार्क्षप या सुझाव प्राप्त होंगे, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड उन पर विचार करेगा।

निवमीं का प्रारूप

- 1. इन नियमों का नाम श्रायकर (संजोधन) नियम, 1977 हैं।
- 2. भाय-कर नियम, 1962 के भाग 2 में, नियम 60 के पश्चात् भीर उपमान व के पूर्व जिम्निखित उपभाग श्रन्तःस्थापित किया जाएगा, श्रंथीत् :---

"गम. लेखा पुस्तकों

- 6च धारा 44 (3) के म्रतंगत उन व्यक्तियो द्वारा, जो कतिया वृतियां मधनाए हुए है, रखी ज ने तथा बन ई रखे जाने बाली लेखा पुस्तकों भीर ग्रन्थ दस्तावेज--
 - (1) विधिक, चिकित्सकीय, इंजीनियरी या वस्तु कलात्मक वृत्ति स्रथवा लाडा कार्य या तकनीकी परामर्श कार्य या अन्तर सजजा कार्य संबंधी वृत्तियां, प्राधि हत प्रतिनिधि या फिल्मी कलाकार की वृत्ति प्रपनाने वाला प्रत्येक व्यक्ति उपनियम (2) में विनिद्धि लेखा-पुस्तकें तथा सन्य दस्तावेज रखेगा स्रीर बनाए रखेगा।
 - (1) उप-निथम (1) में निर्दिष्ट लेखा पुस्तकों ग्रौर भ्रन्य दस्तावेत्र निस्तिलिखित होने, भ्रमीत्:—
 - (i) दैनिक रोकड़ बही;
 - (ii) यदि हिसाब, लेखा विधि की व्यापारिक प्रणाली के अनुसार रखा जाता है तो एक ुनकलबही (जनरल) ;
 - (iii) एक खाताबही (लैजर) ;
 - (iv) व्यक्ति द्वारा दिए गए मशीन संख्यांक्ति बिलों और रसीदों की दूसरी प्रतियां;
 - (ए) व्यक्ति द्वारा उपगत व्यय के संबंध में मूल बिल और रसीदें, या जहां ऐसे बिल और रसीदें नहीं दी जाती हैं तथा उपगत व्यय पच्चीस रुगए से अधिक का नहीं है वहां व्यक्ति द्वारा तैयार किए गए और हस्तक्षर किए गए संदाय दाऊवर ।

स्पष्टीकरण.--इस नियम में ,--

- (क) "प्राधिष्टात प्रतिनिधि" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो फीस या पारिश्रमिक दिए जाने पर, किसी अधिकरण अथवा तत्समय प्रवृत्त किसी विधि द्वारा अथवा उसके अधीन गठित या नियुक्त किए गए प्राधिकारी के सनक किसी अभ्य व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, किन्तु इसमें इस प्रकार जिस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है उसका कर्मचारी या विधिक कार्य वृत्ति कर रहा अथवा लेखानार्य वृत्ति कर रहा कोई व्यक्ति नहीं स्राता;
- (ख) ''दैनिक रोकड़ बही'' से सभी नगदी प्राध्तियों ग्रीर संदायों का वह श्रीम लेख प्रभिन्नेत है जो दिन-प्रति-दिन रखा श्रीर बनाए रखा जाता है तथा जिससे प्रत्येक दिन के श्रन्त में नगदी हाथ रोकड़ प्रकट होती है।

- (ग) "फिल्मी कलाकार" से ब्रिनेमा फिल्मों के निर्माण में, जिसका निर्माण चाहे वह स्वयं कर रहा हो अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किया जा रहा हो, निम्नलिखित की हैसियत से अपनी वृत्ति के रूप में अपनाने वाला कोई व्यक्ति अभिन्नेत हैं, अर्थात् :—
 - (i) **कलाकार** ;
 - (ii) कैमरामैन ;
 - (iii) निदेशक, जिसमें सहायक निदेशक भी आता है ;
 - (iv) संगीत निदेशक, जिसमें सहायक संगीत निदेशक भी आत(है; ः
 - (♥) कला निदेशक, जिसमें सहायक कला निदेशक भी खाता है;
 - (vi) नृत्य निदेशक, जिसमें सहामक नृत्य निवेशक भी भाता है ;
 - (vii) सम्पादक (एडीटर) ;
 - (viii) गायक ;
 - (ix) गीतकार ;
 - (x) कथालेखक ;
 - (xi) मंच कथालेखक ;
 - (xii) संवाद लेखक, तथा
 - (xiii) ड्रैस डिजाइनकर्ता
- (3) चिकित्सा वृत्ति अपनाने वाला च्यक्ति उप-नियम (2) में निर्दिष्ट लेखा पुस्तकों अौर अच्य दस्ताबेजों के अतिरिक्त, निम्नलिखित भी रखेगा और बनाए रखेगा, अर्थात :---
- (i) प्ररूप आ में एक दैनिक रोगी रजिस्टर ;
- (ii) पूर्व वर्ष के प्रथम तथा श्रन्तिम दिन विश्वमान दवाइयों श्रौपिक्षियों तथा श्रन्य उपयोज्य उपसाधनों के स्टाक की तालिका जो उसने श्रपने व्यवसाय के प्रयोजन के लिए उपयोग में की हों।
- (4) उप-नियम (2) और उप-नियम (3) में विनिर्दिष्ट लेखा पुस्त हैं और अन्य दस्ता-बेग न्यक्ति द्वारा उस स्थान पर रखें और बनाए रखें जायेंगे जहां वह बृत्ति को अपनाए हुए हैं अथवा यदि बृत्ति एक से अधिक स्थानों पर अपनाई जा रही है तो बृत्ति के प्रधान स्थान पर रखें और बनाए रखें जायेंगे;

परन्तु जहां व्यक्ति ऐसे प्रत्येक स्थान के संबंध में, जहां वृति प्रपनाई जा रही है, पृथक लेखा पुस्तकें रखता है और बनाए रखता है वहां ऐसी लेखा पुस्तकें श्रोर ग्रन्थ दस्तावेज ऐसे संबंधित स्थानीं पर, जहां वृत्ति श्रपनाई जा रही है, रखे श्रीर बनाए रखे जायेंने ।"। 3. ग्राय-कर नियम, 1962 के उपार्बन्ध 2 में, प्ररूप सं ० 3ख के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, ग्रथाँत् :--

"प्ररूप सं० ३ग

[नियम ६च (3) देखिए]

वैनिक रोगी-रजिस्टर का प्रकंप

(किसी भी प्रकार की चिकित्सा पद्धति वाल चिकित्सा व्यवसायियों, ग्रयीत्, चिकित्सक, शल्य चिकित्सक, दन्त शल्य चिकित्सक, रोगविज्ञानी विकीण चिकित्सक, वैद्य, हकीम, श्रादि द्वारा रखा जाएगा)।

तारीख	क्रम सं०	रोगी का नाम	की गई वृत्तिक सेवा की प्रकृति, ग्रंथीत् सामात्य १ परामर्श, शत्य-चिकित्सा इंजैक्शन लगाना, देखने	ली-ग , प्र	ो-गई फीस या प्रभार	
		•	जाना भ्रादि ।			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	

[सं० 1620/फा० सं० 133(102)/76-टी० पी० एत०] प्र एत० एन० झेंडे, सचिन, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, भिन्टो रोड, नई विल्ली हारा मृद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली हारा प्रकाशित 1977 PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977